शहर की सड़कों पर बढ़ती अव्यवस्था अब केवल एक सामान्य परेशानी

सड़कें बनीं 'अनियंत्रित पार्किंग ज़ोन' प्रशासन की चुप्पी पर उठे बड़े सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिन्दवाडा

शहर की सड़कों पर बढ़ती अव्यवस्था अब केवल एक सामान्य परेशानी नहीं रह गई है, बल्कि यह एक गंभीर शहरी संकट का रूप ले चुकी है। सर्किट हाउस चौराहे से लेकर परासिया रोड होते हुए महिंद्रा शोरूम तक का पूरा इलाका इन दिनों ट्रैफिक अव्यवस्था और अवैध पार्किंग का केंद्र बन चुका है। सड़क के दोनों किनारों पर बेतरतीब खड़ी टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर गाड़ियां न केवल यातायात को बाधित कर रही हैं, बल्कि आम लोगों के लिए खतरे का कारण भी बन रही हैं।

स्कूल जाने वाले बच्चे, ऑफिस कर्मचारी, व्यापारी और आम नागरिक लेकिन सभी को जाम, अव्यवस्था और जोखिम का सामना करना पड़ता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस समस्या से प्रशासन पूरी तरह अवगत होने के बावजूद ठोस कार्रवाई करने में नाकाम नजर आ रहा है।

नियम सिर्फ कागज़ों तक सीमित क्यों?

शहर में संचालित अधिकांश बड़े कॉम्प्लेक्स, शोरूम और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए स्पष्ट नियम हैं कि उनके पास पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था होनी चाहिए। लेकिन हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। कई बड़े कॉम्प्लेक्स बिना पार्किंग सुविधा के ही संचालित हो रहे हैं और उनके ग्राहक अपनी गाड़ियां सीधे सड़क पर खड़ी कर देते हैं।

ऐसे में सवाल उठता है जब नियम स्पष्ट हैं, तो उनका पालन क्यों नहीं कराया जा रहा? क्या संबंधित विभागों ने कभी इन कॉम्प्लेक्सों का निरीक्षण किया? अगर किया, तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? छोटे व्यापारियों पर सख्ती, बड़े प्रतिष्ठानों पर नरमीनगर निगम और प्रशासन की कार्रवाई अक्सर छोटे व्यापारियों तक ही सीमित नजर आती है। फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले या छोटे स्तर पर अतिक्रमण करने वाले व्यापारियों पर तुरंत कार्रवाई की जाती है उनका सामान जब्त कर लिया जाता है, चालान काटे जाते हैं और उन्हें हटाया जाता है।लेकिन जब बात बड़े शोरूम, ब्रांडेड दुकानों और बड़े कॉम्प्लेक्स की आती है, तो वही सख्ती गायब हो जाती है। उनके सामने खड़ी गाड़ियां, जो सड़क को संकरा बना देती हैं, प्रशासन की नजरों से जैसे ओझल हो जाती हैं। यह दोहरा मापदंड शहर की व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। क्या कानून सिर्फ कमजोर वर्ग के लिए ही लागू होता है? क्या प्रभावशाली लोगों और बड़े व्यापारियों के लिए अलग नियम हैं? सड़क पर खड़ी गाड़ियां खतरे की घंटीसड़क के दोनों ओर खड़ी गाड़ियों के कारण यातायात का दबाव बढ़ जाता है। कई बार दो बड़े वाहन आमने-सामने आ जाते हैं और निकलने के लिए जगह ही नहीं बचती। इससे लंबा जाम लग जाता है, जिससे एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड जैसे आपातकालीन वाहनों को भी रास्ता नहीं मिल पाता।विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसी अव्यवस्था दुर्घटनाओं की संभावना को कई गुना बढ़ा देती है। अचानक सामने से आने वाला वाहन, बीच सड़क में खड़ी गाड़ी या संकरी जगह—ये सभी कारक दुर्घटनाओं को न्योता देते हैं।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार छोटे-मोटे हादसे होते रहते हैं, लेकिन प्रशासन तब तक नहीं जागता जब तक कोई बड़ी घटना न हो जाए।

जिम्मेदारी किसकी? यह पूरा मामला केवल एक विभाग का नहीं है, बल्कि कई विभागों की संयुक्त जिम्मेदारी बनता है।
नगर निगम: अवैध निर्माण और बिना पार्किंग वाले कॉम्प्लेक्स पर कार्रवाई करना
ट्रैफिक पुलिस: सड़क पर खड़ी गाड़ियों को हटाना और चालान करना
जिला प्रशासन: सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित करनालेकिन वर्तमान स्थिति को देखकर लगता है कि इन विभागों के बीच समन्वय की कमी है। हर विभाग जिम्मेदारी दूसरे पर डालता नजर आता है, और परिणामस्वरूप समस्या जस की तस बनी रहती है।

कार्रवाई से डर क्यों?

स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा आम है कि अधिकारी बड़े प्रतिष्ठानों और प्रभावशाली लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचते हैं। कारण

चाहे राजनीतिक दबाव हो, आर्थिक हित हों या अन्य कोई वजह—लेकिन इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।अगर प्रशासन निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई करे, तो यह समस्या काफी हद तक नियंत्रित हो सकती है। लेकिन इसके लिए इच्छाशक्ति और पारदर्शिता की जरूरत है। शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में मल्टी-लेवल पार्किंग कॉम्प्लेक्स बनाए जाने चाहिए। इससे लोगों को अपनी गाड़ियां सुरक्षित और निर्धारित स्थान पर खड़ी करने की सुविधा मिलेगी। नो-पार्किंग ज़ोन का सख्ती से पालनमुख्य सड़कों और चौराहों पर नो-पार्किंग नियमों को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। नियम तोड़ने वालों पर भारी जुर्माना लगाया जाए। जनजागरूकता अभियानलोगों को यह समझाना भी जरूरी है कि सड़क पर गाड़ी खड़ी करना सिर्फ उनका व्यक्तिगत मामला नहीं, बल्कि पूरे शहर की समस्या है। डिजिटल मॉनिटरिंग और कैमरेसीसीटीवी कैमरों और डिजिटल सिस्टम के माध्यम से निगरानी बढ़ाई जा सकती है, जिससे नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके। अब समय है सख्त फैसलों काशहर की सड़कों को अव्यवस्था से मुक्त करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए जरूरी है कि बिना किसी भेदभाव के नियमों का पालन कराया जाए।फुटपाथ और सड़कें आम जनता के उपयोग के लिए होती हैं, न कि निजी पार्किंग के लिए। अगर समय रहते इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह स्थिति और भी भयावह हो सकती है।

तामिया जनपद पंचायत की 56 पंचायतों में अव्यवस्था

मनरेगा ग्रुप में मजदूर ट्रेडर्स के शामिल होने से हो रही है गोपनीयता भंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तामिया

जिले के तामिया जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली 56 ग्राम पंचायतों की स्थिति इन दिनों बेहद खराब बताई जा रही है। अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही के कारण ग्रामीणों को अपने ही पंचायत से जुड़े कार्यों के लिए भटकना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि कई पंचायतों के सचिव नियमित रूप से कार्यालय नहीं पहुंचते, जिससे आवश्यक कार्य समय पर नहीं हो पा रहे हैं। मजबूर होकर लोग अपनी समस्याएं लेकर जनपद पंचायत कार्यालय तक पहुंच रहे हैं, लेकिन वहां भी उन्हें केवल आश्वासन देकर लौटा दिया जाता है।

हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि चौरा डोंगरी के ग्रामीणों ने पानी की समस्या के समाधान के लिए जनपद स्तर पर भरोसा न करते हुए सीधे कलेक्टर कार्यालय, छिंदवाड़ा का रुख किया। यह स्थिति स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

मनरेगा योजना में भी भारी लापरवाही सामने आ रही है। उपयंत्री और संबंधित अधिकारी जनपद कार्यालय में कम ही उपस्थित रहते हैं, जिससे निर्माण कार्यों की योजना प्रभावित हो रही है। तकनीकी स्वीकृति के लिए आवश्यक एस्टीमेट समय पर नहीं बन पा रहे, जिसके कारण विकास कार्य ठप पड़े हैं।

इसके अलावा, मनरेगा से जुड़े कर्मचारियों के बीच सूचना आदान-प्रदान के लिए बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि इस ग्रुप में मजदूरों और मटेरियल सप्लायर्स जैसे बाहरी लोगों को भी शामिल कर लिया गया है। इससे विभाग की गोपनीय जानकारी लीक हो रही है।सूत्रों के अनुसार, इस ग्रुप के माध्यम से नोटिस, चेतावनी, कार्य प्रगति, वीडियो कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देश और नई योजनाओं की जानकारी बाहर तक पहुंच रही है, जिससे प्रशासनिक गोपनीयता भंग हो रही है। इस स्थिति से कर्मचारी और अधिकारी भी असहज महसूस कर रहे हैं। यदि जल्द ही इस मामले में कार्रवाई नहीं की गई और बाहरी लोगों को ग्रुप से नहीं हटाया गया, तो तामिया जनपद पंचायत की गोपनीयता और कार्यप्रणाली पर और अधिक असर पड़ सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पंचायत स्तर पर अधिकारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए और मनरेगा योजना में पारदर्शिता व गोपनीयता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

सेवा दिवस के रूप में आज मनाया जायेगा सांसद बंटी विवेक साहू का जन्मदिन

छिन्दवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू का जन्मदिन बुधवार 29 अप्रैल को सेवा दिवस के रूप में मनाया जायेगा। जिसके तहत छिन्दवाड़ा शहर सहित पांढुर्णा और दोनों जिलों में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न सेवाभावी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। सांसद श्री साहू बुधवार को विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे, जिसके तहत वे सुबह 11 बजे प्रियदर्षनी कॉलोनी स्थित वृद्धाश्रम में वृद्धजनों से उनका आर्षीवाद लेंगे एवं उन्हें भोजन वितरित करेंगे। सुबह 11:30 बजे आधार फाउंडेषन पोआमा में दिव्यांग बच्चों के साथ केक काटेंगे एवं बच्चों को मिष्ठान और भोजन वितरित करेंगे। दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक छिन्दवाड़ा एवं पांढुर्णा जिले से आने वाले लोगो से जन्मदिन के अवसर पर आर्शीर्वाद और शुभकामनाएं प्राप्त करेंगे। इस दौरान सांसद बंटी विवेक साहू जिले की विभिन्न 50 पंचायतों को पानी के टेंकरों का वितरण करेंगे साथ ही 100 आंगनवाड़ियों को पंखे भी वितरित करेंगे।

हर्रई क्षेत्र में आबकारी विभाग की दबिश, 5 प्रकरण दर्ज

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर हरेंद्र नारायण के निर्देशानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री बी.आर.वैद्य के निर्देशन में आबकारी वृत अमरवाड़ा द्वारा आज हर्रई तहसील एवं आसपास के गांवों में दबिश कार्रवाई की गई। इस दौरान कुल 05 आपराधिक प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के अंतर्गत पंजीबद्ध किए गए। कार्रवाई में 26 बल्क लीटर हाथभट्टी मदिरा जब्त की गई, वहीं 250 किलोग्राम महुआ लाहन को कब्जे में लेकर मौके पर ही विधिवत नष्ट किया गया। कार्यवाही के दौरान वृत अमरवाड़ा प्रभारी सुश्री वैशाली भगत सहित उनका समस्त अमला उपस्थित था।

होम स्टे भ्रमण के लिए महाराष्ट्र से आया दल, 40 सदस्यीय दल का देवगढ़ में हुआ स्वागत

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा छिंदवाड़ा जिले में संचालित होम स्टे परियोजना को मिल रही सफलता देश के अन्य राज्यों के लिए प्रेरणा बन गई है। छिंदवाड़ा के पर्यटन ग्राम देवगढ़ में महाराष्ट्र के नासिक, पुणे, धुले तीन जिलों से 40 सदस्यों का एक दल मंगलवार को पहुंचा, जो तीन दिन तक यहां रहकर होम स्टे के संचालन से लेकर पर्यटन गतिविधियों को देखेगा। गांव पहुंचने पर इस दल का भावभीना स्वागत किया गया। कलेक्टर हरेंद्र नारायन व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अग्रिम कुमार के कुशल मार्गदर्शन में पर्यटन गतिविधियां लगातार जारी हैं। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा छिंदवाड़ा जिले में 12 पर्यटन ग्रामों का चयन किया गया है, इसमें से 10 गांवों में 51 होम स्टे संचालित किए जा रहे हैं। होम स्टे परियोयना के सफल क्रियान्वय व जमीनी कार्य को देखने के लिए मंगलवार को शबरी आदिवासी वित्त व विकास महामंडल के मार्गदर्शन में तीन जिलों का दल पर्यटन ग्राम देवगढ़ पहुंचा। इस दल के तीन दिवसीय भ्रमण की तैयारियां कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अग्रिम कुमार के निर्देशन में होम स्टे परियोजना प्रभारी श्री आर.डी. सिद्दकी, डीएटीसीसी के नोडल अधिकारी श्री बलराम राजपूत व पर्यटन प्रबंधक श्री गिरीश लालवानी ने जय भवानी ग्राम विकास समिति देवगढ़ के साथ मिलकर की। भ्रमण के पहले दिन स्वागत के बाद श्री प्रशांत के नेतृत्व में महाराष्ट्र से आए दल ने प्रोजेक्ट पर पूरी होम स्टे परियोजना को समझा। ग्राम के कार्य कर रही पर्यटन समिति से रूबरू होकर दल के सदस्यों ने होम स्टे देखें। महाराष्ट्र से आई पूरी टीम के रहने व भोजन की व्यवस्था ग्राम के 12 होम स्टे में की गई है। पहले ही दिन इस टीम को गांव भा गया और शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम में सभी ने उत्साह के साथ सहभागिता की। आगामी दो दिन तक शबरी आदिवासी वित्त व विकास महामंडल महाराष्ट्र का दल पर्यटन ग्राम में रहकर पर्यटकों को मिलने वाली सुविधाओं, उनकी आवभगत के साथ पर्यटन एक्टीविटी, आदिवासी टूरिज्म को जानेगा।

झूठ बोल रहे कमलनाथ: सांसद विवेक साहू, इन्वेस्टर समिट और इंडस्ट्रियल कांक्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश और जाने-माने उद्योगपति गौतम अडानी से की थी चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संकल्प एवं सांसद बंटी विवेक साहू के प्रयासों से बनेगा पॉवर प्लांट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

अदानी अंबानी को दिन रात पानी पी पी कर दिन रात कोसने वाले कांग्रेसी और शेख कमलनाथ उन्हीं के नाम का सहारा लेकर झूठा श्रेय लेने की घटिया राजनीति पर उतारू हैं। कांग्रेस की डूबती नाव पर सवार कांग्रेस और शेख कमलनाथ झूठ की डगर के सहारे राजनीति की वैतरणी पार करने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं। यह बात सांसद बंटी विवेक साहू ने कही है।

सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि उन्होने लोकसभा चुनाव जीतने के तत्काल बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्र सरकार के मंत्रियों से लगातार मुलाकात कर छिंदवाड़ा के विकास के लिए प्रयास प्रारंभ कर दिये थे। छिंदवाड़ा विकासखंड के चौसरा में सालों से अधिग्रहित की गई भूमि में पावर प्लांट स्थापित हो इसके लिए 23 नवंबर 2024 को अडानी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अडानी को पत्र लिखकर आवश्यक मांग की थी। विदित हो कि पावर प्लांट निर्माण शुरू करने को लेकर वे केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह से भी मिले। वही मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव और उच्च अधिकारियों से भी मुलाकात कर पावर प्लांट निर्माण कराने के लिए आग्रह करते रहे। साथ ही लगातार पत्राचार का क्रम अडानी ग्रुप के अध्यक्ष श्री गौतम अडानी से चलता रहा। सांसद श्री बंटी विवेक साहू ने कहा कि प्रसन्नता की बात है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल प्रयासों के चलते अब छिंदवाड़ा की चौसरा में न्यूक्लियर पावर प्लांट बनने जा रहा है। सांसद बंटी विवेक साहू का कहना है कि भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार की देन रहेगा छिंदवाड़ा के चौसरा का न्यूक्लियर पावर प्लांट।

इन्वेस्टर सम्मिट और इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव से निकला

न्यूक्लियर पावर प्लांट सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिछले वित्तीय वर्ष को औद्योगिक वर्ष माना था, जिसमें उन्होंने इन्वेस्टर सम्मिट तथा इंडस्ट्रियल कांक्लेव किए थे। देश और दुनिया के जाने-माने उद्योगपति अदानी ग्रुप के अध्यक्ष श्री गौतम अडानी ने भी भाग लिया था। जिसमें उन्होंने छिंदवाड़ा में उद्योग स्थापित करने हेतु इन्वेस्टमेंट करने की बात कही थी। जिसका ही परिणाम है कि छिंदवाड़ा में न्यूक्लियर पावर प्लांट आने की संभावना बनी है।

अडानी ग्रुप को 16 साल पहले दी जमीन

सांसद बंटी विवेक साहू ने बताया कि छिंदवाड़ा के चौसरा गांव में करीब 16 साल पहले अडानी ग्रुप को थर्मल पॉवर प्लांट बनाने के लिए सरकार ने 750 एकड़ जमीन ट्रांसफर की थी। इसका नाम पेचथर्मल एनर्जी रखा गया था, कंपनी ने अपना ऑफिस भी बनाया, जमीन कवर्ड की, लेकिन प्लांट का काम शुरू नहीं हो पाया। अब इसी जमीन पर थर्मल पॉवर प्लांट की जगह न्यूक्लियर थर्मल पॉवर प्लांट प्रस्तावित किया गया है। छिंदवाड़ा में न्यूक्लियर पॉवर प्लांट का प्रस्ताव मंत्री परिषद में रखा गया है। सांसद बंटी विवेक साहू ने बताया कि न्यूक्लियर पॉवर प्लांट प्लान बनने से स्थानीय युवाओं को बड़े स्तर पर रोजगार मिलेगा। क्षेत्र में उद्योग एवं व्यापार को नई गति मिलेगी। आधारभूत जरूरतें सड़क, बिजली और जल व्यवस्था मजबूत होगी। शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार होगा। सालों से बंजर पड़ी भूमि का सही उपयोग होगा।

झूठ बोलना सबसे अच्छा आता है कमलनाथ को

सांसद बंटी विवेक साहू का कहना है कि शेख कमलनाथ ने 45 वर्षों तक अपना दरबार सजाकर आम जनता के हितों के साथ सौदा कर राजनीति करने वाले कई बार के केंद्रीय मंत्री और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहते हुए कोरी झूठी घोषणाएं की, जितनी भी घोषणा की उन्हें कभी मूर्त रूप नहीं मिला। छिंदवाड़ा जिले में बरसों बरस पहले चौसरा में थर्मल पावर प्लांट के लिए सैकड़ों एकड़ भूमि किसानों से ली गई, लेकिन कमलनाथ के झूठ बोल राज करो के फार्मूले को अपनाते हुए कम होने नहीं दिया। सांसद श्री बंटी विवेक साहू ने कहा कि आज पावर प्लांट को लेकर चिंता व्यक्त करने वाले शेख कमलनाथ अपने मुख्यमंत्रीत्व काल में इस कार्य को एक इंच भी आगे नहीं बढ़ा सके थे। सांसद श्री साहू ने कहा कि कमलनाथ बेशर्मी से झूठ बोलते हैं, इसका उदाहरण है पेंच व्यपवर्तन परियोजना माचागोरा बांध निर्माण कार्य, कमलनाथ ने दो बार झूठ भूमिपूजन किया। सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि मध्यप्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार का धन्यवाद जिन्होंने 2006 में माचागोरा बांध निर्माण कार्य को स्वीकृति दी, आज लाखों एकड़ भूमि में छिंदवाड़ा तथा सिवनी जिले का किसान सिंचाई कर पंजाब से अच्छी खेती कर रहा है, इतना ही नहीं छिंदवाड़ा शहर को भी पानी उपलब्ध हो रहा है। सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि शेख कमलनाथ केवल झूठ बोल राजनीति करो के माध्यम से छिंदवाड़ा की जनता को ठगने का षड्यंत्र करते हैं, छिंदवाड़ा व पांढुर्णा जिले का विकास ट्रिपल इंजन सरकार कर रही है और प्रेस नोट जारी कर झूठा श्रेय लेने का प्रयास कर रहे हैं, छिंदवाड़ा की जनता शेख कमलनाथ के झूठ और प्रपंच को जान चुकी है। आम जन का विश्वास है कि छिंदवाड़ा जिले का विकास भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार हीं करेगी।

जिले में आमजनों के सुख दुख में शामिल हुए सांसद विवेक साहू

छिंदवाड़ा। हर किसी के सुख दुख में हमेशा ही उनके साथ खड़े रहने वाले संवेदनशील सांसद बंटी विवेक साहू ने जिले में विभिन्न स्थानों पर जाकर जहां लोगों की खुशी में शामिल होकर लोगों के बीच अपनेपन का परिचय दिया वही विगत दिनों दिवंगत हुए लोगों के घर जाकर शोकाकुल परिवारों से मुलाकात करते हुए अपनी शोक संवदेनाएं व्यक्त की। विदित हो कि भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता और आमजनों के साथ मित्रवत भाव रखने वाले सांसद बंटी विवेक साहू अपने व्यस्त कार्यक्रमों के बीच लोगों के सुख दुख में भी शामिल हुए। अति व्यस्त कार्यक्रमों के बीच समय निकालकर अपने कार्यकर्ताओं के साथ पारिवारिक माहौल में चर्चा करना सांसद श्री साहू के स्वभाव में शामिल हैं। इसी के तहत सांसद श्री साहू ने रोहनाकला के बानाबोह पहुंचकर विनोद नाथ चंदेल की सुपुत्री के शुभविवाह अवसर पर उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई दी। चारगांव में जयराम यादव के सुपुत्र यशवंत यादव के विवाह के अवसर पर अपनी बधाईयां प्रेषित की। ग्राम सांख में पारसनाथ वानखेड़े के सुपुत्र शुभम वानखेड़े के विवाह की शुभकामनाएं दी। संजू पाठस्कर के निवास स्थान पहुंचकर उनके पिताजी स्वर्गीय अंतराम पाठस्कर के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व सरपंच व पुर्व मंडल अध्यक्ष मुन्ना पटेल के निवास स्थान पहुंचकर उनके सुपुत्र संदीप चौरे के विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। आशीष वानखेड़े के निवास स्थान पहुंचकर उनके सुपुत्र रंजीत वानखेड़े के विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। शंभु विश्वकर्मा के निवास स्थान पहुंचकर उनके पिता स्वर्गीय मोहनू लाल विश्वकर्मा के निधन पर दुख व्यक्त किया। विक्रम पटेल के निवास स्थान पहुंचकर उनकी माताजी स्वर्गीय सकलवानी पटेल के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। ग्राम जटामा में राधेश्याम वानखेड़े के निवास स्थान पहुंचकर उनकी सुपुत्री साधना वानखेड़े के विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। मंडल महामंत्री धनकुमार पटेल के निवास स्थान पहुंचकर उनके पिता वरिष्ठ भाजपा नेता बलराम पटेल से मुलाकात की। ग्राम साख में चंद्रभूषण चौरिया के निवास स्थान पहुंचकर उनकी सुपुत्री मोनिका चौरिया के विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। सुंदरलाल चौरे के निवास स्थान पहुंचकर उनकी सुपुत्री ज्योति चौरे के विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। ग्राम उमरहर में गुड्डू चौरे के निवास स्थान पहुंचकर उनकी सुपुत्री के विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। ग्राम उमरहर में कमल सिंह के निवास स्थान पहुंचकर उनकी सुपुत्री के विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। बालकिशन पटेल चौरे के निवास स्थान पहुंचकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। रामदिनेश सेठ के निवास स्थान पहुंचकर उनके सुपुत्र जय के विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। मोहन चौरिया के निवास स्थान पहुंचकर विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। स्वरूप पटेल के निवास स्थान पहुंचकर उनकी सुपुत्री पुनित पटेल के विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। अमीर चौरे के निवास स्थान पहुंचकर उनके सुपुत्र अखिलेश चौरे के विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। बुद्धु चौरिया के निवास स्थान पहुंचकर उनके सुपुत्र सुजित चौरिया के विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। रामदिनेश करोडे के निवास स्थान पहुंचकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। श्रीराम करोडे के निवास स्थान पहुंचकर उनकी सुपुत्री के विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। ठाकरिया के निवास स्थान पहुंचकर स्वर्गीय जगतराम ठाकरिया के निधन पर शोक व्यक्त किया। ग्राम भाजीपानी खापा में संतोष चौरिया के निवास स्थान पहुंचकर उनके सुपुत्र जितेन्द्र चौरिया के विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। श्रीमती यमला बाई के निवास स्थान पहुंचकर उनके सुपुत्र अंशुल के विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। रामप्रसाद भलावी के निवास स्थान पहुंचकर उनके पुत्र के विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। शिवनंदन सिंह रघुवंशी के निवास स्थान पहुंचकर उनके पुत्र शिवम रघुवंशी के विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। दयाराम सिंग रघुवंशी व अरूण कुमार के निवास स्थान पहुंचकर भेंट की। ग्राम कुहिया में रतन लाल कुशवाहा के निवास स्थान पहुंचकर उनकी सुपुत्री के विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। गोविंद सिंह पटेल के निवास स्थान पहुंचकर उनके सुपुत्र रमेन्द्र रघुवंशी के विवाह की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। नितेश राजा रघुवंशी के निवास स्थान पहुंचकर उनके पिताजी स्वर्गीय रेखनसिंह रघुवंशी के निधन पर शोक व्यक्त किया। शिव पाल कुशवाहा के निवास स्थान पहुंचकर उनके पिता स्वर्गीय केशव कुशवाहा के निधन पर दुखः व्यक्त किया।

रजेगांव चेक पोस्ट पर वाहनों की आकस्मिक जांच

बालाघाट। बालाघाट जिले में परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा और यात्री वाहनों के नियमानुसार संचालन सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रजेगांव चेक पोस्ट पर सोमवार, 28 अप्रैल को आकस्मिक जांच की गई। इस दौरान मातोश्री ट्रेवल्स की दो बसें नियमों का उल्लंघन करते हुए संचालित पाई गईं, जिन पर कुल 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। जिला परिवहन अधिकारी श्री अनिमेष गढ़पाल ने बताया कि जांच के दौरान संबंधित बसें बिना परमिट और बिना पंजीयन के संचालित हो रही थीं। इसके साथ ही वाहनों में सड़क सुरक्षा मानकों का भी उल्लंघन पाया गया, जो यात्रियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। ऐसे मामलों में न केवल जुर्माना लगाया जाता है, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर वाहन जब्ती और अन्य वैधानिक कार्रवाई भी की जाती है। जिला परिवहन अधिकारी ने वाहन संचालकों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे बिना वैध दस्तावेजों के वाहन संचालन न करें और सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परिवहन विभाग ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे यात्रा के दौरान केवल वैध और नियमों का पालन करने वाले वाहनों का ही उपयोग करें, ताकि सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित हो सके।

विद्युत विभाग ने पेश की तत्परता और सेवा की मिसाल

36 घंटे में नया ट्रांसफार्मर बहाल, लोड डायवर्ट कर उपभोक्ताओं को पहुंचाई राहत

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

भीषण गर्मी के दौर में विद्युत उपकरणों का अत्यधिक उपयोग किया जा रहा है कूलर, पंखे एवं एसी बिजली उपभोक्ताओं के लिये जरूरी हो गया है ऐसे में विद्युत विभाग द्वारा भी ग्राहकों की सेवा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए तत्परता दिखाई जा रही है। इसी कड़ी में विद्युत विभाग बालाघाट संभाग द्वारा कमाल करते हुए 36 घंटे में ना सिर्फ तकनीकी दिक्कतों को दूर किया गया बलिक तत्परता का उदाहरण भी प्रस्तुत किया है। मोतीनगर उपकेन्द्र में अत्यधिक लोड की ओवरलोड के कारण आकस्मिक रूप से ट्रांसफार्मर फेल हो गया था विद्युत अधिकारियों के मार्गदर्शन में पहले तो लोड को डायवर्ट कर उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाई गई और बाद में अतिशीघ्र नया पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया। जानकारी के अनुसार 27 अप्रैल की की रात्रि में मोतीनगर उपकेंद्र का एक पावर ट्रांसफार्मर अत्यधिक ओवरलोड के कारण आकस्मिक रूप से फेल हो जाने से शहर के अनेक क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित हो गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था कर अन्य पावर ट्रांसफार्मरों पर लोड डायवर्ट किया गया, जिससे अधिकांश क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति यथासंभव बनाए रखी गई, यद्यपि कुछ स्थानों पर अस्थायी रूप से कम वोल्टेज की स्थिति बनी रही।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका : माननीय मुख्य अभियंता जबलपुर क्षेत्र एके गिरिया के संज्ञान में आते ही उनके निर्देशन एवं सतत मार्गदर्शन में तथा अधीक्षण अभियंता बालाघाट अमित कुमार के नेतृत्व में, कार्यपालन अभियंता बालाघाट रवि कुमार कुम्हरे के कुशल प्रबंधन, कार्यपालन अभियंता एसटीसी/एसटीएम चंद्रहास चंद्राकर की कर्तव्य निष्ठा व समन्वय एवं त्वरित निर्णय क्षमता से विभागीय टीम द्वारा रात्रि में ही नया पावर ट्रांसफार्मर मंगाने की कार्यवाही प्रारंभ की गई।

विपरित परिस्थितियों के बावजूद 36 घंटे में विद्युत बहाली: ट्रांसफार्मर के भारी आकार, ऊँचाई तथा मार्ग में विद्युत लाइनों/क्रॉसिंग जैसी बाधाओं के बावजूद विभागीय टीम द्वारा निरंतर प्रयास करते हुए मात्र 36 घंटे के भीतर मोतीनगर उपकेंद्र में नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर सफलतापूर्वक विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी गई। इस कार्य में सहायक अभियंता शहर अंकित मार्को, हुकुमचंद यादव, शैलेंद्र पटले एवं कनिष्ठ अभियंता अविनाश देशमुख सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भूमिका एवं समर्पण सराहनीय रहा। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पूरे घटनाक्रम के दौरान विद्युत व्यवस्था को संतुलित बनाए रखना तथा शीघ्र बहाली सुनिश्चित करना विभाग की उच्च कार्यक्षमताए समन्वय एवं प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

उपभोक्ताओं का जताया धन्यवाद

मोतीनगर में ट्रांसफार्मर फेल जैसी बड़ी

समस्या के बावजूदए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दिन.रात मेहनत कर मात्र 36 घंटे में नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी। जिसपर विद्युत विभाग के टीम का प्रयास प्रशंसनीय है। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बालाघाट शहर के समस्त उपभोक्ताओं के धैर्य एवं सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है और कहा है कि विद्युत विभाग बालाघाट द्वारा यह सिद्ध किया गया है कि आपात स्थिति में भी उपभोक्ताओं को न्यूनतम असुविधा हो, इसके लिए विभाग सदैव तत्पर एवं सजग है।

कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम से विद्यार्थियों को मिली नई दिशा, लिंगमारा में हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। श्रीराम बालाजी फाउंडेशन लिंगमारा द्वारा एक भव्य करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कक्षा 10 वीं, 11 वीं एवं 12 वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को सही विषय चयन एवं उज्वल भविष्य के लिए उपयुक्त कैरियर विकल्पों की जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम में अनुभवी काउंसलर दुर्गेश टेम्भरे, भोजराज पटले एवं ओमप्रकाश बारेवार की गरिमामयी उपस्थिति रही। काउंसलर्स ने विद्यार्थियों को विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय के विभिन्न अवसरों, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं रोजगार के विविध क्षेत्रों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रुचि, क्षमता एवं लक्ष्य के अनुसार विषय चयन करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान शासकीय हाई स्कूल लिंगमारा के प्राचार्य ज्ञानेंद्र पटले ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सही मार्गदर्शन और दृढ़ संकल्प से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को एकाग्रचित्त होकर अपने लक्ष्य की ओर बढने के लिए प्रेरित किया तथा जीवन में अनुशासन एवं निरंतर प्रयास के महत्व को समझाया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने कैरियर से जुड़े प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन प्रेरणादायक संदेशों के साथ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों को अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया गया। श्रीराम बालाजी फाउंडेशन लिंगमारा द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ

ग्राम केशा के काकोपाट मंदिर में राहगीरो के लिए प्याऊ का किया शुभारंभ

किरनापुर। 27अप्रेल को जिला समन्वयक श्री सुशील बर्मन सर एवम विकासखंड समन्वयक श्रीमती रुचिका बेस मैडम जी के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान 02के तहत ग्राम केशा ,के काको पाट शिव मंदिर परिसर में राह चलते राहगीरों के लिए पीने के पानी के लिए प्याऊ का शुभारंभ किया गया जिसमे जिसमें मुख्य अतिथि संजय बिसेन छबीलाल पटले भालवा युचंद रणजीत बिसेन अंकित वासनिक राहुल पटले ग्राम नवांकुर संस्था प्रभारी महेश पटले मेंटर्स ,निकास येडे ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष सदस्य एवम ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बोनकट्टा में सरकारी जमीन से हटाया अतिक्रमण

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं तहसीलदार ने दी सख्त चेतावनी

हरिभूमि न्यूज कटंगी। कटंगी से तुमसर मुख्य सड़क मार्ग पर बोनकट्टा की सीमा में गांव के बाहरी इलाके में स्थित ढोर फोड़ी की सरकारी ज़मीन पर वर्षों से चल रहे अतिक्रमण को प्रशासन ने सख्ती से हटाने की कार्रवाई की। मंगलवार की दोपहर 2 बजे शुरू हुई यह कार्रवाई शाम 04 बजे तक चली और पूरा अतिक्रमण जमींदोज कर दिया गया। इस कार्रवाई से प्रशासन ने न केवल ज़मीन को मुक्त कराया बल्कि यह संदेश भी दिया कि सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्ज़ा किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तिरोड़ी तहसीलदार गीता राहंगडाले ने जानकारी देते हुए बताया कि बोनकट्टा में प.ह.नं. 17 की खसरा नंबर 59 की 0.082 हेक्टेयर शासकीय ढोर फोड़ी मद की भूमि पर गांव के ही प्रहलाद पिता सितरु झोड़े ने अवैध तरीके से कब्जा कर आवास का निर्माण किया था और कुछ भूमि में कृषि कार्य कर रहा था। अतिक्रमणकारी को कई बार अतिक्रमण हटाने के नोटिस जारी किया गए किंतु लगातार नोटिस मिलने के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाएं जाने पर प्रशासकीय कार्रवाई करने के लिए एक टीम का गठन कर पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार पी.एल.सांडिया, सहायक उपनिरीक्षक दादूराम पटले, पटवारी प्रहलाद कुमरे, प्रशांत राणा, शिवानी दीक्षित और पुलिस अमला मौजूद रहा। अतिक्रमणकारी ने शासकीय भूमि में अवैध निर्माण कर रखा था जहां सेंट जार्ज माध्यमिक विद्यालय नाम का स्कूल किराए से संचालित कर रहा था। इस अवैध निर्माण के ध्वस्त होने के बाद इस स्कूल के बच्चे कहां बैठकर पढ़ाई करेगें यह भी सवाल बना हुआ है।

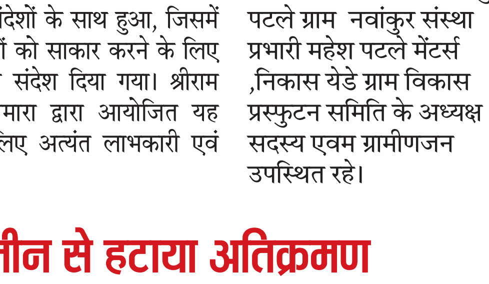

यह ज़मीन सरकारी रिकॉर्ड में ढोर फोड़ी के उपयोग के लिए दर्ज थी। ढोर फोड़ी का मतलब वह जमीन होती थी। जहां मृत मवेशियों के शरीर की खाल उतारी जाती थी। यह काम एक विशेष समुदाय के लोग किया करते थे। वह लोग खाल उतारकर उसका उपयोग किसानों के कृषि कार्य में उपयोग आने वाले उपकरण हल, दतारी में प्रयोग होने वाली रस्सी बनाने के लिए करते थे। एक दौर में मवेशियों के चमड़े का उपयोग कुएं से पानी निकालने के लिए बर्तन के तौर भी किया जाता था। जिसे ग्रामीण अंचलों में बोल-चाल की भाषा में मोट कहा जाता था। लेकिन करीब ढाई दशक से खुले में ढोर फोड़ने का काम बंद है। ऐसे में ढोर फोड़ी के नाम दर्ज भूमि खाली है और वहां तेजी से अतिक्रमण हो रहा है। जिसे रोकने की कार्रवाई निरंतर जारी है। तिरोड़ी तहसीलदार के नेतृत्व में की गई कार्रवाई इसी दिशा में किया गया प्रयास है। बताया जा रहा है अब उस जमीन पर ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्तावित सामुदायिक भवन का निर्माण किया जाएगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान: लांजी में शासकीय कुओं की हुई व्यापक साफ-सफाई

वार्ड-09 में गाद-कचरा हटाया, जलस्तर बढ़ाने और स्वच्छ पेयजल के लिए ब्लीचिंग पाउडर का हुआ छिड़काव

हरिभूमि न्यूज लांजी।

जल संरक्षण एवं जलस्त्रोतों के संवर्धन के उद्देश्य से नगर परिषद लांजी द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 09 में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान क्षेत्र के शासकीय कुओं की साफ-सफाई कर उनमें जमा गाद, कचरा एवं अन्य मलबे को बाहर निकाला गया। इस अभियान से कुओं के जलस्त्रोतों को पुनर्जीवित करने, जलस्तर बढ़ाने तथा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। साथ ही, जल की शुद्धता बनाए रखने के लिए कुओं में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी किया गया। कार्यक्रम में सभापति एवं पार्षद श्री किशोर रामटेक्कर की उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री मयूर वाहने ने नगर परिषद के कर्मचारियों के साथ मिलकर अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न कराया।नगर परिषद लांजी द्वारा संचालित यह पहल जल संरक्षण, स्वच्छता और जनस्वास्थ्य के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। स्थानीय नागरिकों ने भी इस अभियान की सराहना करते हुए इसे जलस्त्रोतों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

खबर संक्षेप

नेशनल लोक अदालत 09 मई को

हरिभूमि न्यूज सिवनी। शनिवार 09 मई 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय सिवनी, तहसील न्यायालय लखनादौन एवं व्यवहार न्यायालय केवलारी, छपारा एवं घंसौर में किया जाएगा।
आयोजित नेशनल लोक अदालत में लंबित समझौते योग्य आपराधिक प्रकरण, समस्त प्रकार के दीवानी प्रकरण, पारिवारिक विवाद, चेक बाउंस प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, विद्युत संबंधी मामले तथा बैंक ऋण वसूली एवं जलकर वसूली के पूर्ववाद प्रकरणों का आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर निराकरण किया जाएगा। आमजन एवं पक्षकारों से अपील की गई है कि वे नेशनल लोक अदालत का लाभ उठाते हुए अपने प्रकरणों का निराकरण आपसी समझौते से कराएं, जिससे समय एवं धन दोनों की बचत हो सके।

श्रम कानूनों के प्रभावी अनुपालन के लिए श्रम स्टार रेटिंग सिस्टम लागू

हरिभूमि न्यूज सिवनी। श्रम पदाधिकारी सिवनी द्वारा बताया गया कि शासन द्वारा राज्य के श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कल्याण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। श्रम सेवा पोर्टल के माध्यम से पंजीकृत कारखानों, दुकानों एवं अन्य वाणिज्यिक संस्थानों के लिए विभाग ने श्रम स्टार रेटिंग सिस्टम लागू किया है।
उन्होंने बताया कि यह प्रणाली एक स्व-मूल्यांकन आधारित, निष्पक्ष एवं स्वचालित तंत्र है, जिसके अंतर्गत संस्थानों द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर उनके श्रम कानूनों के अनुपालन स्तर का मूल्यांकन किया जाता है और उन्हें स्टार रेटिंग प्रदान की जाती है।
इस पहल के माध्यम से न केवल श्रम कानूनों के प्रभावी पालन को प्रोत्साहन मिल रहा है, बल्कि अनुपालन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सरल एवं उत्तरदायी भी बन रही है। इसके सकारात्मक परिणामस्वरूप कार्य-संस्कृति में सुधार, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार तथा संस्थानों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिला है।
श्रम विभाग द्वारा सभी संबंधित संस्थानों एवं कारखानों से अपील की जाती है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस सुविधा का लाभ उठाएं तथा श्रम स्टार रेटिंग सिस्टम का उपयोग कर अपने संस्थानों में श्रम कानूनों के अनुपालन को और अधिक सुदृढ़ बनाएं।

संविदा श्रमिकों के नियोजन हेतु प्रिंसिपल एम्प्लायर के पंजीयन आवश्यक

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिला श्रम अधिकारी सिवनी द्वारा जानकारी देकर बताया गया कि शासन द्वारा राज्य के समस्त शासकीय विभागों, मण्डलों, निगमों एवं अन्य संस्थाओं के संज्ञान में लाया गया है कि जो भी विभाग/संस्थाएं ठेकेदारों अथवा आउटसोर्स एजेंसियों के माध्यम से कार्य (विशेषतः निर्माण कार्य एवं अन्य सेवाएं) करवा रही हैं, उन्हें संविदा श्रम (विनियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम, 1970 की धारा 7 के अंतर्गत के रूप में पंजीयन कराना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य-दशा संहिता, 2020 की धारा 47 से 50 के अंतर्गत ठेका श्रमिकों के नियोजन एवं पंजीयन से संबंधित प्रावधान भी लागू हैं, जिनका पालन किया जाना आवश्यक है।
उन्होंने बताया कि बिना वैध पंजीयन के किसी भी प्रकार से ठेका श्रमिकों का नियोजन किया जाना नियमों के विरुद्ध है। अतः सभी संबंधित विभागों/संस्थाओं से अपेक्षा की जाती है कि वे तत्काल प्रभाव से पंजीयन की कार्यवाही सुनिश्चित करें। उल्लंघन की स्थिति में संबंधित नियोक्ता के विरुद्ध विधिसम्मत वैधानिक कार्यवाही किए जाने के प्रावधान हैं। समस्त विभागों, निगमों एवं मण्डलों से अनुरोध है कि वे श्रम कानूनों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करें तथा नियमानुसार पंजीयन प्राप्त करें। इस संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन हेतु संबंधित क्षेत्रीय श्रम कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

लखनादौन स्वास्थ्य विभाग में बड़ा घोटाला

फर्जी भर्तीः 8 महीने का पीएफ गायब सिस्टम पर उठे गंभीर सवाल

हरिभूमि संवाददाता मुकेश साहू
लखनादौन/सिवनी। स्वास्थ्य विभाग में कथित फर्जी भर्तियों और मल्टी टास्क वर्करों के 8 महीनों से पीएफ जमा न होने के आरोपों ने पूरे प्रशासनिक तंत्र को कटघरे में खड़ा कर दिया है। कर्मचारियों का आरोप है कि उनकी सैलरी से नियमित कटौती के बावजूद पीएफ खातों में राशि जमा नहीं की गई। मामले में शौकत अली का नाम सामने आने के बाद विवाद और गहरा गया है।

शौकत अली सुपरवाइजर

कटौती हुई लेकि पैस ाकहाँ गया...

सबसे बड़ा सवाल यही है जब हर महीने कर्मचारियों की सैलरी से पीएफ की कटौती हो रही थी, तो वह रकम आखिर गई कहाँ? क्या यह सिर्फ लापरवाही है या सुनियोजित गड़बड़ी

भर्ती प्रक्रिया पर भी संदेह

सूत्रों के मुताबिक, कई नियुक्तियां बिना किसी आधिकारिक विज्ञापन, बिना मेरिट और बिना पारदर्शी प्रक्रिया के की गईं। भर्ती से जुड़े दस्तावेज—विज्ञापन, आवेदन पत्र और चयन सूची—अब तक सार्वजनिक नहीं किए गए हैं

ब्लैकलिस्ट फर्म को भुगतान का आरोप

मामले को और गंभीर बनाता है एक कथित ब्लैकलिस्ट फर्म को भुगतान। सवाल उठता है कि जब फर्म पहले से प्रतिबंधित थी, तो भुगतान किसके आदेश पर जारी हुआ? क्या वित्तीय नियमों को नजरअंदाज किया गया?

दो आदेश, एक दिन जांच पर सवाल

सूत्र बताते हैं कि एक ही दिन में दो अलग-अलग आदेश जारी किए गए, जिससे जांच को प्रभावित करने की आशंका जताई जा रही है। यह प्रशासनिक पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

अधिकारियों की चुप्पी क्यों

मामले में अब तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी की स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यह चुप्पी लोगों के बीच संदेह और आक्रोश को और बढ़ा रही है।

जांच के घेरे में ये बड़े सवाल

पीएफ की कटौती के बावजूद राशि जमा क्यों नहीं हुई? फर्जी भर्ती किसके आदेश पर की गई?
क्या विभाग में मिलीभगत है
ब्लैकलिस्ट फर्म को भुगतान कैसे हुआ?
जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई कब होगी?

मकान में लगी भीषण आग, घर का रखा लाखों का सामान जलकर खाक

सिवनी जिले के लखनादौन नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-3 में मंगलवार सुबह मकान में भीषण आग लग गई। घटना में घर में रखा लाखों का सामान जलकर खाक हो गया।

हालांकि, राहत की बात यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। घटना सुबह लगभग 4 बजे हुई, जब सुरेंद्र गोल्हानी के मकान में अज्ञात कारणों से आग भडक़ उठी। आग ने देखते ही देखते घर के अंदर रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया।

लोगों ने शोर मचाकर अन्य लोगों को जगाया

आग लगने की जानकारी मिलते ही परिजनों और आसपास के लोगों ने शोर मचाकर अन्य लोगों को जगाया। उन्होंने तुरंत आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और दमकल विभाग को सूचना दी।
सूचना मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग इतनी तेज थी कि घर में खड़ी बाइक, घरेलू सामान, फर्नीचर और अन्य उपयोगी वस्तुएं पूरी तरह जलकर खाक हो गईं।

आसपास के मकानों तक फैलने से रोकी

समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से यह आसपास के मकानों तक फैलने से रुक गई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया था।फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। संबंधित विभाग की ओर से मामले की जांच की जा रही है।
प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना जताई जा रही है। वास्तविक क्षति का आकलन जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।
स्थानीय लोगों ने प्रशासन और दमकल विभाग की तत्परता की सराहना की।
प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे आगजनी की घटनाओं से बचाव के लिए सतर्क रहें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत संबंधित विभाग को सूचना दें।

घंसौर पुलिस ने किया अंधी हत्या का 24 घंटे के अंदर खुलासा

पांच गिरफ्तार, दो फरार, पुलिस कर रही तलाश

हरिभूमि न्यूज सिवनी।
घंसौर थाना पुलिस ने शनिवार रात मामूली बात को लेकर हुए युवक की हत्या मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं दो आरोपी अब भी फरार हैं। जिनकी तलाश पुलिस कर रही है। शनिवार की रात ग्राम बरौदा तिराहे पर बीच सडक़ पर कार खड़ी कर शराब पी रहे युवकों और शादी समारोह से लौट रहे बैंड बाजा दल के सदस्यों के बीच विवाद हुआ था। आरोपियों ने गोधन यादव पर चाकू व लाठी-डंडों से हमला कर दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हल्के वंशकार और संजू वंशकार गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनका अस्पताल में इलाज जारी है। घटना के बाद सभी आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए थे। रविवार को परिजनों ने ग्रामीणों के साथ सडक़ पर शव रखकर प्रदर्शन किया था। ग्रामीणों की मांग थी कि आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की जाए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार मेहता के निर्देशन में तीन विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, साइबर तकनीक और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों को ट्रेस किया। जांच में सामने आया कि जबलपुर निवासी नीलेश पटेल और निशांत राजपूत उर्फ चिंटू अपने साथी राहुल नेमा से मिलने आया था। सभी आरोपी शराब पी रहे थे। इसी दौरान उन्होंने युवक से विवाद होने पर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी बरौदा निवासी राहुल नेमा, पिपराटोल निवासी नर्मदा यादव, बरौदा निवासी साहिल शर्मा, विनोद नेमा और मनोज नेमा को गिरफ्तार कर लिया। वहीं मुख्य आरोपी निशांत राजपूत उर्फ चिंटू और नीलेश पटेल अभी फरार हैं। जिनकी तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त डंडे, चाकू और कपड़े बरामद किए हैं। मामले में विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सिवनी में गहराया जल संकटः गोरखपुर खुर्द के ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

सिवनी। जिले में भीषण गर्मी के बीच जल संकट लगातार गहराता जा रहा है। ग्रामीण अंचलों से लेकर नगर क्षेत्र तक पानी की किल्लत ने लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है।

हरिभूमि न्यूज सिवनी।

मंगलवार को गोरखपुर खुर्द गांव के ग्रामीणों का सब्र जवाब दे गया और बड़ी संख्या में लोग खाली बर्तन लेकर कलेक्ट्रेट पहुंच गए, जहां उन्होंने जनसुनवाई में अपनी समस्या उठाते हुए कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा।
प्रदर्शन के दौरान भीषण गर्मी और भीड़ के कारण एक महिला और एक पुरुष की तबीयत अचानक बिगड़ गई। मौके पर एम्बुलेंस बुलाकर दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना से कलेक्ट्रेट परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।
ग्रामीणों का कहना है कि वे पिछले मंगलवार को भी अपनी समस्या लेकर प्रशासन के पास पहुंचे थे, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्रशासन की अनदेखी से नाराज ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा गया।
सूख गए हैं जल स्रोत, नल-जल योजना ठप
ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि गांव के अधिकांश हैंडपंप या तो खराब हो चुके हैं या जलस्तर गिरने से पूरी तरह सूख गए हैं। गांव में पाइपलाइन बिछी होने के बावजूद नल-जल योजना से पानी नहीं मिल रहा है। ऐसे में महिलाओं और बच्चों को तेज धूप में दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है, जिससे उनका दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

नगर में भी हालात खराब

केवल ग्रामीण क्षेत्र ही नहीं, बल्कि सिवनी नगर में भी जल संकट गहराने लगा है। कई इलाकों में नगर पालिका के नलों से पानी नहीं मिल पा रहा है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी शहर में करीब 15 दिनों तक जल संकट बना रहा था। ऐसे में इस वर्ष भी हालात बिगडऩे की आशंका जताई जा रही है।

पक्ष-विपक्ष दोनों मौन

जल संकट जैसे गंभीर मुद्दे पर जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी सवालों के घेरे में है। न तो सत्तापक्ष और न ही विपक्ष की ओर से अब तक कोई ठोस पहल या बयान सामने आया है, जिससे आम जनता में नाराजगी और बढ़ रही है।

उग्र आंदोलन की चेतावनी

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि खराब हैंडपंपों को तत्काल सुधारा जाए, नए हैंडपंप लगाए जाएं और नल-जल योजना की मोटर व पाइपलाइन को दुरुस्त किया जाए। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि जल्द पानी की सप्लाई शुरू नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।
जल संकट को लेकर बढ़ते असंतोष ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। अब देखना होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर समस्या का समाधान कितनी जल्दी कर पाते हैं।

महिला सरपंच पर दबाव और सुखलाल तालाब सूखने का मामला बना चर्चा का विषय

हरिभूमि न्यूज सिवनी।
जिले की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत कान्हीवाड़ा इन दिनों दो प्रमुख मुद्दों को लेकर चर्चा में है—एक ओर महिला सरपंच पर कथित मानसिक दबाव, तो दूसरी ओर सुखलाल तालाब के सूखने से जुड़ी समस्या।
ग्राम पंचायत कान्हीवाड़ा में वर्तमान पंचवर्षीय कार्यकाल के दौरान एक घरेलू महिला सरपंच पद पर आसीन हैं, जिनका लगभग 4 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण हो चुका है। खास बात यह है कि इतने लंबे कार्यकाल में अब तक उनके ऊपर किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा है। इसके बावजूद सरपंच पर अनावश्यक दबाव बनाए जाने और मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने की बातें सामने आ रही हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर माहौल गरमाया हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि बिना किसी ठोस आरोप के इस प्रकार का दबाव न केवल जनप्रतिनिधि का मनोबल कमजोर करता है, बल्कि पंचायत के विकास कार्यों को भी प्रभावित करता है। महिला नेतृत्व को प्रोत्साहित करने की बात अक्सर की जाती है, लेकिन ऐसी घटनाएं महिला सशक्तिकरण पर सवाल खड़े कर रही हैं। वहीं दूसरी ओर, ग्राम पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत मोदी राईस मिल के पास स्थित सुखलाल तालाब इस वर्ष नहर का पानी नहीं मिलने के कारण पूरी तरह सूख चुका है। इस स्थिति को लेकर भी सरपंच पर कार्यवाही करने का दबाव बनाया जा रहा है।
इस संबंध में पंचायत स्तर से यह स्पष्ट किया गया है कि तालाब में पानी न आने का कारण नहर व्यवस्था से जुड़ा है, जो संबंधित विभाग के अधिकार क्षेत्र में आता है। ऐसे में यदि किसी भी ग्रामवासी को तालाब से संबंधित कोई समस्या, असुविधा या शिकायत हो, तो वे सीधे संबंधित विभागों में शिकायत दर्ज कराएं राजस्व विभाग स्थानीय पुलिस थाना मांझी मछुआ सहकारी समिति सभी ग्रामवासियों से अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अपनी समस्याओं का समाधान उचित एवं अधिकृत माध्यम से ही करवाएं।
अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन इस पूरे मामले को किस प्रकार से संज्ञान में लेता है और क्या महिला सरपंच को मानसिक दबाव से राहत मिल पाती है, साथ ही सुखलाल तालाब की समस्या का समाधान कब तक निकलता है।

सडक़ सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

शहर का अतिक्रमण एवं अवैध विज्ञापन होर्डिंग्स को तत्काल हटाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज सिवनी।
अपर कलेक्टर सुश्री सुनीता खंडायत की अध्यक्षता में कलेक्टर सभाकक्ष में सडक़ सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री दीपक मिश्रा सहित यातायात, परिवहन विभाग एवं विभिन्न सडक़ निर्माण एर्जेंसियों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए अपर कलेक्टर द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने एमपीआरडीसी एवं एनएचएआई के अधिकारियों को चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर विशेष ध्यान देते हुए त्वरित सुधार कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
नगरीय क्षेत्र सिवनी में यातायात को सुगम बनाने के लिए अतिक्रमण हटाने की प्रभावी कार्रवाई करने तथा अवैध विज्ञापन होर्डिंग्स को तत्काल हटाने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही हेलमेट, सीटबेल्ट और गति सीमा के पालन हेतु व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश यातायात एवं परिवहन विभाग को दिए गए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त चालानी कार्रवाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।
बैठक में अपर कलेक्टर द्वारा प्रधानमंत्री राहत योजना अंतर्गत प्रकरणों की स्वीकृति एवं सहायता राशि वितरण की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

इधर, अवैध मादक पदार्थों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश,

अपर कलेक्टर सुश्री सुनीता खंडायत की अध्यक्षता में एनसीओआरडी (नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन) समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री दीपक मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में जिले में नशीली दवाओं के नियंत्रण, मादक पदार्थों की तस्करी की प्रवृत्तियों तथा अफीम, भांग जैसी फसलों की अवैध खेती की रोकथाम एवं निगरानी की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। अवैध मादक पदार्थों के उपयोग एवं विक्रय पर संयुक्त एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अपर कलेक्टर ने कहा कि इस संबंध में पुलिस, आबकारी, स्वास्थ्य एवं अन्य विभाग आपसी समन्वय के साथ सतत अभियान चलाएं तथा अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि स्कूलों एवं महाविद्यालयों में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार गतिविधियों का आयोजन किया जाए। बैठक में नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों के नियमित निरीक्षण तथा उनकी कार्यप्रणाली की समीक्षा करने के निर्देश भी दिए गए।

पी एम आवास योजना लाभ हेतु भटक रहे पात्र हितग्राही

जन सुनवाई दिया आवेदन, नवागत कलेक्टर से लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज छपारा।
नगर के विवेकानंद वार्ड निवासी किशोरीलाल पिता दादूराम रघुवंशी उम्र 61 ने मंगलवार 28 अप्रैल को जन सुनवाई में नवागत कलेक्टर नेहा मीणा से गुहार लगाते हुए कहा कि पी एम आवास योजना के पात्र हितग्राही होने के बाद भी क्या वजह से उनको लाभ नहीं मिल पा रहा हैं। साथ ही विगत आठ से नौ साल पूर्व 07/05/2017 को आवेदक किशोरी लाल के मकान में आग लगने से हुई क्षति हुई थी उसका भी मुआवजा राशि दिलाये जाने की बात आवेदन के माध्यम से कही। अपने आवेदन में उन्होंने बताया कि छपारा नगर के विवेकानंद वार्ड ग्राम का निवासी हूँ एवं गरीब मजदूर वर्ग से आता हूँ। मैं आवासहीन एवं भूमिहीन व्यक्ति हूँ, इसके साथ ही विगत नौ वर्ष पहले 7/5/2017 को मेरे मकान में अज्ञात कारणों से अचानक आग लग जाने से अत्याधिक क्षति हुई थी। जिसकी मेंरे द्वारा पुलिस में भी रिपोर्ट की गई थी। हल्का पटवारी एवं तहसील कार्यालय छपारा में भी शिकायत की गई थी। किंतु 8 वर्ष बीत जाने के बाद भी आज दिनांक तक प्रशासन की

लापरवाही के कारण मुझे मकान जलने की क्षतिपूर्ति राशि प्रदान नहीं की गई। जिससे अपनी आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण अपने मकान का पुर्ननिर्माण का कार्य नहीं कर सका। वहीं प्रशासन की लापरवाही के चलते आज दिनांक तक मुझे पी एम आवास का लाभ भी प्रदान नहीं किया गया है। अतः नवागत कलेक्टर से गुहार लगाते हुए निवेदन किया कि तत्काल कार्यवाही कर शासन से तत्काल मुआवजा राशि दिलाई जावे। साथ पी एम आवास योजना का लाभ प्रदान किया जाये। जिससे कि में अपने मकान का पुनर्निर्माण कार्य कर सकें । वहीं इस मामले पर वॉर्ड पार्षद रामेश्वर बंजारा ने बताया कि यह बात सही है कि उनके वॉर्ड निवासी किशोरी लाल को जब मकान जला था उस समय छपारा ग्राम पंचायत के दायरे में आता था और उनको शासन से मिलने वाली क्षति पूर्ति नहीं मिल पाई थी, वहीं पी एम आवास योजना की सूची में उनका नाम है और वह पात्र हितग्राही है आगामी नगर परिषद की आवास योजना की सूची में उनको लाभ अवश्य मिलेगा।

35वीं अंबेडकर जयंती पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में रूही भीमगड़े ने पाया प्रथम स्थान

सिवनी। बरघाट क्षेत्र के ग्रांम पनवास में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मैत्रियबौद्ध विहार में विगत दिवस धूमधाम से मनाई गई।
इस कार्यक्रम में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें आसपास के गांवों से पहुंचे 40 बच्चों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें ग्राम पनवास की रूही पिता रविंद्र भिमगड़े ने प्रथम स्थान ,द्वितीय प्रगति ठाकुर पिता तीरथ प्रसाद, तामसी पिता जितेंद्र एड़े ने तृतीय ,स्थान प्राप्त कर आयोजन समिति के द्वारा पुरस्कार प्राप्त किया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अशोक मेश्राम ,कैलाश डोंगरे ,रामनाथ कावरे सौम्य मेश्राम ,रोशना डोंगरे ,अंजू मेश्राम ,सूखचंद बोपचे, मानसिह बाहेश्वर एवं समस्त ग्राम वासियों का सहयोग प्रदान हुआ। कार्यक्रम समिति के संचालक रविंद्र भिमगड़े ने सभी आगंतुक धर्म प्रेमी एवं स्वजातिय बन्धुओ का आभार प्रकट किया।

असम के काजीरंगा से कान्हा टाइगर रिजर्व में 4 जंगली भैंसों का हुआ सफल पुनर्स्थापन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट जिले के सूपखार में किया जंगली भैंसा पुनर्स्थापन का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में संचालित जैव विविधता संरक्षण के अगले अध्याय के रूप में आज जंगली भैंसा पुनर्स्थापना योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कान्हा टाइगर रिजर्व में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान असम से लाए गए जंगली भैंसों के पुनर्स्थापना के लिए उन्हें बालाघाट जिले के सूपखार क्षेत्र में सॉफ्ट रिलीज किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की धरती पर नए मेहमान के शुभ आगमन के लिए प्रदेशवासियों को बधाई दी।

वन्य प्राणियों से समृद्ध होंगे प्रदेश के वन, स्थानीय स्तर बढ़ेगा टूरिज्म और लोगों को मिलेंगे रोजगार के अवसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर मीडिया से चर्चा में कहा कि प्रदेश के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। लगभग 100 वर्ष के बाद प्रदेश की धरती पर जंगली भैंस का पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना कार्य हो रहा है। यह मध्य प्रदेश के वन्य जीव एवं वन पारिस्थितिक संरक्षण के लिए अद्भुत अवसर है। जंगली भैंस के पुनर्वास से घास के मैदान के संरक्षण और इकोसिस्टम को मदद मिलेगी। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार विलुप्त प्रजातियां के वन्यजीवों को मध्य प्रदेश में वापस लेकर आ रही है। इससे जंगल, वन्य प्राणियों से समृद्ध होगा और स्थानीय स्तर पर टूरिज्म के माध्यम से लोगों को रोजगार भी मिलेगा। जंगली भैंसों की ट्रांसलोकेशन से असम के साथ मध्यप्रदेश का एक नया रिश्ता कायम हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि असम यात्रा के दौरान उनकी असम के मुख्यमंत्री डॉ. हेमंत बिश्वा सरमा के साथ जंगली भैंसों और गैंडा के पुनर्वास को लेकर सार्थक चर्चा हुई थी।

मध्यप्रदेश वन्य प्राणी संरक्षण में देश में मिसाल प्रस्तुत कर रहा है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि बालाघाट जिले के जंगल में छोड़े गए जंगली भैंसों में तीन मादा और एक नर शामिल है। सभी जंगली भैंसा युवा अवस्था में हैं और स्वस्थ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश आज टाइगर और चीता स्टेट है, मध्य प्रदेश में मगरमच्छ, घड़ियाल और भेड़िया भी पर्याप्त संख्या में पाए जाते हैं। मध्य प्रदेश अब वल्चर स्टेट यानी गिद्ध स्टेट भी बना है। मध्य प्रदेश की धरा हर तरह के वन्य प्राणियों से समृद्ध है। कई सौ साल पहले विलुप्त हुए पर प्राणियों के पुनर्स्थापना से प्रदेश के समृद्ध वनों में वन्य प्राणियों के संरक्षण का सपना साकार हो रहा है, मध्यप्रदेश वन्य प्राणी संरक्षण में देश में मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। हमारा यह प्रयास भावी पीढ़ियों को लाभ देगा।

राज्य सरकार प्रदेश में अधोसंरचना विकास कार्यों को गति देने के साथ ही पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत बनाने के लिए सम्पूर्ण निष्ठा के साथ निर्णय ले रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से वर्ष 2022 में चीतों का पुनर्वास हुआ। आज सुपर कूनो अभ्यारण के बाद गांधी सागर अभ्यारण्य में भी चीते दौड़ लगा रहे हैं। सागर के पास नोरादेही अभ्यारण में भी चीतों को बसाने की पूरी तैयारी है। यह सभी कार्य प्रदेश के लिए धरोहर होंगे। इस अवसर पर सांसद श्रीमति भारती पारधी, मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य श्री भगत सिंह नेताम, मध्य प्रदेश की प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव श्रीमती समिता राजौरा, जबलपुर संभाग के कमिश्नर श्री धनंजय सिंह, कलेक्टर श्री मृणाल मीना, पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा, कान्हा टाईगर रिजर्व के अधिकारी एवं पत्रकार उपस्थित रहे। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जंगली भैसा पुनर्स्थापन के लिए स्मृति चिन्ह भेंट किया।

जंगली भैंसों का असम से मध्यप्रदेश का सफर : विलुप्त प्रजाति की अपने ऐतिहासिक क्षेत्र में वापसी

जंगली भैंसों को काजीरंगा से कान्हा लाने वाली टीम के प्रत्येक सदस्य को 10 हजार रुपये देने की घोषणा

अंतर-राज्यीय सहयोग के इस महत्वपूर्ण अभियान के प्रथम चरण में 19 मार्च से 10 अप्रैल 2026 के बीच, कांजीरंगा के मध्य और पूर्वी क्षेत्रों से 7 किशोर भैंसों को लिया गया। 25 अप्रैल 26 को 4 जंगली भैंसों ने कांजीरंगा से कान्हा टाइगर रिज़र्व तक की अपनी 2000 किलोमीटर की यात्रा की। इनका स्थानांतरण काजीरंगा और कान्हा, दोनों जगहों के वरिष्ठ अधिकारियों और अनुभवी पशु चिकित्सकों की देख-रेख में किया गया है।आज दिनांक 28 अप्रैल 2026 इन्हें सूपखार, कान्हा टाइगर रिज़र्व में स्थित बाड़े में सॉफ्ट रिलीज़ किया जा रहा है। स्थानीय रूप से विलुप्त हो चुकी जंगली भैंसे की प्रजाति उनके ऐतिहासिक क्षेत्र (कान्हा) में जैव विविधता को बढ़ावा देगी और कान्हा टाइगर रिज़र्व में घास के मैदानों वाले पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मध्यप्रदेश में जंगली भैंसों की आबादी लगभग 100 वर्ष पहले समाप्त हो गई थी। वर्तमान में इनकी प्राकृतिक आबादी मुख्य रूप से असम में सीमित है, जबकि छत्तीसगढ़ में इनकी संख्या अत्यंत कम है। भारतीय वन्यजीव संस्थान (देहरादून) द्वारा किए गए अध्ययन में कान्हा टाइगर रिजर्व को जंगली भैंसों के पुनर्स्थापन के लिए सबसे उपयुक्त पाया गया है। यहाँ के विस्तृत घासभूमि क्षेत्र, पर्याप्त जल स्त्रोत और न्यूनतम मानव हस्तक्षेप इस प्रजाति के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करते हैं। उन्होंने इस ऐतिहासिक कार्य के लिए कान्हा टाइगर रिजर्व की टीम, डॉक्टरों और स्टाफ की सराहना करते हुए प्रत्येक सदस्य को 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

ब्राह्मण समाज ने पुलिस थाने में सौंपा ज्ञापन

समूहों व समुदायों में वैमनस्यता फैलाने वाले दामोदर यादव पर एफआईआर दर्ज की जावे- शरद दुबे

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

दलित पिछड़ा आदिवासी संगठन कोर समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर यादव द्वारा कटंगी विधानसभा की तिरोड़ी तहसील के ग्राम पंचायत नांदी में भगवान परशुराम को माँ का हत्यारा और गीता पुराण, रामायण, शिव पुराण आदि को नहीं मानने की बात कहने से आहत ब्राह्मण समाज वारासिवनी ने एक ज्ञापन मंगलवार की शाम को पुलिस थाना वारासिवनी में दिया है।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि दामोदर यादव द्वारा प्रेस वार्ता में दिए गए बयान ने सनातन धर्म की भावनाओं को आहत किया गया है और धर्म और धार्मिक विश्वास का अपमान किया गया है। उनके इस वक्तव्य से विभिन्न समूहों, समुदायों में वैमनस्य फैलाने का काम किया गया है। उनके द्वारा हिन्दू धर्म ग्रंथों का अनादर किया है, जिससे पूरा हिन्दू सनातन धर्म और उसके मानने वाले अनुयायियों को घोर पीड़ा एवं आघात पहुँचा है। ब्राह्मण समाज वारासिवनी ने दामोदर यादव के खिलाफ तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर उन्हें गिरफ्तार करने की मॉग की गई है।

इस दौरान सर्व ब्राह्मण समाज वारासिवनी अध्यक्ष शरद दुबे ने कहा कि दामोदर यादव का वक्तव्य देश को विभाजित करने वाला है। उनके द्वारा देश के विभिन्न समाजों को बॉटने का प्रयास किया जा रहा है। जो दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे व्यक्ति के खिलाफ तत्काल प्रकरण पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार किया जाये।

ज्ञापन देने के दौरान समाज अध्यक्ष शरद दुबे, अविनाश पांडे, नवनीत द्विवेदी, शिवम मिश्रा,अनीश मिश्रा, दिलीप शर्मा, संतोष आड़े, रिंकू दुबे, रत्नेश मिश्रा, वरुण त्रिवेदी, मिथुन मिश्रा, आकाश चौबे, अभिजीत शुक्ला, संतोष त्रिवेदी, नरेन्द्र शर्मा, अभय देशपांडे, विकास चौबे, राजेश भुरु मिश्रा, योगेश शुक्ला, रितेश शुक्ला, धनंजय देशपांडे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नियम एवं शर्तें :- ❖ यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है । ❖ हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं । ❖ महालक्की ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा । ❖ इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे । ❖ योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे । ❖ फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होगे । ❖ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे । ❖ सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी । ❖ हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा । ❖ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा । ❖ चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं । ❖ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते ।

आज ही हरिभूमि की प्रति बुकिंग करायें

हरिभूमि कार्यालय : 66/1, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई जिला जबलपुर

मो. 9479623424, 9340637789